



उत्तर:- (क) ऊपर लिखी कहावतों का अर्थ गीत की निम्न पंक्तियों से मिलता-जुलता है?

साथी हाथ बढाना

एक अकेला थक जाएगा, मिलकर बोझ उठाना

साथी हाथ बढाना।

हम मेहनत वालों ने जब भी, मिलकर कदम बढाया

सागर ने रस्ता छोडा, परबत ने सीस झुकाया

फौलादी हैं सीने अपने, फौलादी हैं बाँहें

हम चाहें तो चट्टानों में पैदा कर दें राहें

साथी हाथ बढाना।

(ख) इन दोनों कहावतों का अर्थ कहावत-कोश में

देखकर समझो और वाक्य के संदर्भ में उनका प्रयोग

करो।

उत्तर:- (ख)

मुहावरा	अर्थ	वाक्य
अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता	मिलजुलकर काम करने से जीवन में प्रगति संभव है।	किसी ने सच ही कहा है, अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता
एक और एक मिलकर ग्यारह होते हैं	संगठन में शक्ति होती है।	यदि हम मिलकर इस योजना पर काम करें तो यह निश्चित ही पूरा होगा क्योंकि एक और एक मिलकर ही तो ग्यारह होते हैं

7. नीचे हाथ से संबंधित कुछ मुहावरे दिए हैं। इनके अर्थ समझो और प्रत्येक मुहावरे से वाक्य बनाओ -

(क) हाथ को हाथ न सूझना

(ख) हाथ साफ़ करना

(ग) हाथ-पैर फूलना

(घ) हाथों-हाथ लेना

(ङ) हाथ लगना

उत्तर:- (क) हाथ को हाथ न सूझना (अंधेरा होना) - गाँव के रास्तों पर आज भी बिजली की समस्या है, रात को बाहर निकलो तो हाथ को हाथ न सूझे।

(ख) हाथ साफ़ करना (चोरी करना) - शादी वाले घर में सतर्क रहना जरूरी है वरना कोई भी भी हाथ साफ़ कर सकता है।

(ग) हाथ-पैर फूलना (डर से घबरा जाना) - सड़क पर चलते-चलते अचानक साँप को देखा तो रामू के हाथ-पैर फूल गए।

(घ) हाथों-हाथ लेना (स्वागत करना) - बेटे के विलायत से लौटने पर माँ-पिताजी ने उसे हाथों-हाथ लिया।

(ङ) हाथ लगना (अचानक मिल जाना) मंदिर जाते वक्त चलते-चलते ५०० की नोट मेरे हाथ लग गई।

***** END *****